## ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT

#### The 31st May, 1985

No. 3676-AII(I)-85/9026.—The Governor of Haryana is pleased to retire Shri Ajit Singh Grawal, H.V.S.I, Director, Animal Husbandry Department, Haryana, from Government service with effect from 31st May, 1985 (A.N.) on his attaining the age of superannuation at 58 years.

### M. K. MIGLANI,

Commissioner and Secretary to Government, Haryans, Animal Husbandry Department.

## **EDUCATION DEPARTMENT**

The 29th May, 1985

No. 35/40/85-Edu-I(6).—The Governor of Haryana is pleased to appoint Shri Hardwari Lal, M.P. as Honorary Advisor to Government, Education Department with immediate effect, till further orders.

### L. M. JAIN,

Commissioner and Sectretary to Government, Haryana, Education Department.

श्रम विभाग

म्रादेश

# दिनांक 30 भ्रप्रैल, 1985

सं. भो.ति./एफ.डी./23-84/19398.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. एवन ब्राटोमोटिव कम्पोनेन्टस. प्रा. लि., प्लाट नं. 59,, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रीमकों तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सन्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भ्रौर चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल ईसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के प्रधीन गठित श्रीद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादपस्त मामला / मामले हैं/हैं, ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं/हैं त्यायनिर्णय हें तु निरिष्ट करते हैं:—

- 1. क्या श्रमिक मौसम अनुसार दो जोड़े टेरीकाट की वर्दी लेने के हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण में?
- 2. (i) क्या श्रमिक मकान भरता नेतन का 25 प्रतिशत की दर से लेने का हकदार है? यदि हां, तो किस निवरण में?
  - (ii) क्या श्रमिक साईकल भत्ता, चाय भत्ता 60 रुपपे प्रति माह की दर से लेने का हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण में?

### दिनाँकः 2 मई, 1985

सं शो विव /पानीयत / 5-85 / 20103. -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व स्पेशन मशीन कुन्जपुरा रोड, बाई पास करनाल, के खिसकों तथा प्रवाधकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भी बोणिक विवाद है;

भीर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, भन, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शाबितवों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त मधिनियम की धारा 7-क के भड़ीन गठित, भौद्योगिक स्विकरण, वृरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे निर्निदेक्ट मामले, जो कि उस्त प्रबन्धकों स्था श्रमिकों के बीच या तो विवादगस्त मामला/बामले हैं, सचना निनाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं/हैं, न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

- 1. क्या कारखाने के सभी श्रमिक हाजरी कार्ड के हकदार हैं? यदि हां, तो किस दिवरण से ?
- 2. क्या कारखाने के श्रमिकाण जिस पद पर कार्य करते हैं उस ग्रनुसार पद व ग्रेड के हकदार हैं ? यदि हां, तो किस विवरण से ?
- 3. गया कारखाने के श्रमिक राती भरता 50 रुपये प्रत्येक माह लेने के हुकदार हैं ? यदि हां, तो किस विवरण से ?

एम• सेठ.

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम तथा रोजगार विभाग।

श्रम विभाग ग्रादेश दिनांक 29 ग्रप्रैल, 1985

सं. सी. वि./फरीदाबाद/74-85/19263.--चृकि हिरियाणा के राष्ट्रपाल की राय है कि मैं. स्रोरियन्टल इलैक्ट्रीकल इन्युलेशनप्ता. लि., एन.स्राई.टी, प्ररीदाबाद, के श्रीमक श्री शिव वचन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित भागने में कोई मौद्योगिक विवाद है:

भीर पृक्ति हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायिनर्णय हेतु निदिष्ट करना बांधनीय समझते हैं :

इसलिए, मब, भौछोगिक विवाद मिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, इरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं. 5415-3-श्रम/60/15254, विनोक 20 जून, 1968 के साम पड़ते हुए प्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-88-श्रम/\$7/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त प्रधिनियम की द्वारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद को विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय के लिये निर्विष्ट करते हैं, जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादगस्त मामला है या विवाद से सुसंगत या विवाद सामला है:--

- क्या भी शिव वचन की धैवाओं का समापन न्यायोधित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राइत का हकदार है ?
- सं. को.बि./फरीबाबाद/74-85/19270.—-बुंकि द्वरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० श्रीरियन्ट इलैक्ट्रीकल इन्शुलेशन श्रा. लि., एन.ब्राई.टी. फरीदाबाद, के श्रामिक श्रीमती कान्ता देवी तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद सिचित भामने में कोई बौद्योगिक विवाद है;

बीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेंसु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, घब, श्रीशोगिक विवाद प्रिष्ठितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा अवान की गई गक्तियों का प्रयोग करते हुए, द्वरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं. 5415-3 श्रम-60/15254, विनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं. 11495-जी-श्रम 88-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को द्विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित भीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत प्रथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्रीमति कान्ता देवी की सेवाझों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है?

जे० पी० रतन, उप सविव. हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।